भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 488

(दिनांक 26.07.2019 को उत्तर देने के लिए)

सूचना और प्रसारण क्षेत्र हेतु कार्यान्वित योजनाएं

***488. श्री प्रवीन कुमार निषादः**

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सूचना और प्रसारण क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए वर्ष 2014 तथा अगस्त, 2018 के बीच कार्यान्वित की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दूरदर्शन केन्द्रों का आधुनिकीकरण करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप डिजीटल मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं; और

(ग) यदि हां, तो उन देशों के नाम क्या हैं जिनसे ऐसी मशीनों का आयात किया गया तथा इसके फलस्वरूप सूचना और प्रसारण क्षेत्र को हुए लाभ का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री

(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

<u>सूचना और प्रसारण क्षेत्र के लिए कार्यान्वित स्कीमों के संबंध में दिनांक 26.07.2019 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 488 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण</u>

(क): वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच सूचना और प्रसारण क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित केंद्रीय क्षेत्र की स्कीमों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

I. **<u>प्रसारण क्षेत्र के अंतर्गत प्रसारण अवसंरचना नेटवर्क विकास (बीआईएनडी):</u>** वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2018-19 तक 1812.70 करोड़ रु. का व्यय हुआ। प्रसारण अवसंरचना नेटवर्क विकास स्कीम (ब.प्रा. 2019-20) के लिए 473 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है।

स्कीम का उद्देश्य आकाशवाणी और दूरदर्शन की प्रसारण अवसंरचना का सृजन, आधुनिकीकरण तथा संवर्धन करना है। इसमें मस्तूल का सुदृढ़ीकरण, एफएम का विस्तार एवं प्रतिस्थापन, स्टूडियो का आधुनिकीकरण एवं डिजिटलीकरण शामिल है। प्रमुख क्षेत्रों में डीडी न्यूज सहित नई दिल्ली स्थित टेलीविजन स्टूडियो केंद्रों के हाई डेफिनिशन में स्तरोन्नयन, मौजूदा उपस्करों के प्रतिस्थापन तथा आधुनिकीकरण के जरिए डीटीएच के विस्तार तथा साथ ही दूरदर्शन डीटीएच सिग्नल के अभिग्रहण के लिए डीवाईएच अभिग्रहण एककों के वितरण पर विशेष रूप से बल दिया गया है। अन्य क्षेत्रों में तीन राजधानी टेलीविजन केंद्रों तथा साथ ही किसान तथा अरूण प्रभा चैनल का 24x7 चैनलों में स्तरोन्नयन करके टीवी चैनलों का विस्तार, सैटेलाइट प्रसारण उपस्करों तथा ट्रांसमीटरों का आधुनिकीकरण तथा संवर्धन (डिजिटीकरण सहित), अतिथि गृह का निर्माण और अमृतसर व अन्य क्षेत्रों में टीवी टॉवर का निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए शेष कार्यों को पूरा करना शामिल है।

वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच स्टूडियो, ट्रांसमीटरों एवं सैटेलाइट प्रसारण उपस्करों के आधुनिकीकरण से संबंधित 12वीं योजनागत स्कीमों के भाग के रूप में दूरदर्शन में विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित की गईं जिनमें निम्नलिखित शामिल थे:-

क. दूरदर्शन नेटवर्क में ट्रांसमीटरों एवं स्टूडियो का डिजिटलीकरण।

ख. हाई डेफिनिशन टेलीविजन (एचडीटीवी)

ग. ट्रांसमीटरों एवं स्टूडियो उपस्करों का आधुनिकीकरण, संवर्धन एवं प्रतिस्थापन

घ. सैटेलाइट प्रसारण उपस्करों का आधुनिकीकरण, संवर्धन एवं प्रतिस्थापन

ङ. डीटीएच प्लेटफॉर्म का स्तरोन्नयन

वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच दूरदर्शन के आधुनिकीकरण हेतु कार्यान्वित प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच स्टूडियो, ट्रांसमीटरों एवं सैटेलाइट प्रसारण उपस्करों के आधुनिकीकरण की निम्नलिखित स्कीमों के अंतर्गत 12वीं योजना के भाग के रूप में आकाशवाणी में कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

II. **फिल्म क्षेत्र से संबंधित अवसंरचना विकास कार्यक्रम:** वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक 284.20 करोड़ रु. का व्यय हुआ। फिल्म क्षेत्र से संबंधित अवसंरचना विकास कार्यक्रम स्कीम (ब.प्रा. 2019-20) के लिए 52.54 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है।

स्कीम का उद्देश्य मौजूदा अवसंरचना का स्तरोन्नयन करना तथा निम्नलिखित फिल्म मीडिया एककों के लिए अतिरिक्त अवसंरचना का सृजन करना है:-

क. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का स्तरोन्नयन, आधुनिकीकरण और विस्तार तथा प्रमाणन प्रक्रिया।

ख. सिरी फोर्ट परिसर का स्तरोन्नयन।

ग. फिल्म प्रभाग की भवन अवसंरचना का स्तरोन्नयन।

घ. अवसंरचना का स्तरोन्नयन तथा अत्याधुनिक क्षेत्रीय फिल्म अभिलेखागारों का सृजन।

ङ. एफटीआईआई का स्तरोन्नयन तथा आधुनिकीकरण

च. सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई) का अवसंरचना विकास।

III. **<u>सूचना क्षेत्र के अंतर्गत मीडिया अवसंरचना और विकास कार्यक्रम (एमआईडीपी):</u>**- वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक 109.62 करोड़ रु. का व्यय हुआ। एमआईडीपी स्कीम (ब.प्रा. 2019-20) के लिए 30.50 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है।

स्कीम का उद्देश्य इस स्कीम के अंतर्गत शामिल किए गए मीडिया एककों अर्थात पत्र सूचना कार्यालय, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, प्रकाशन विभाग, फोटो प्रभाग तथा भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय को मशीनरी, उपस्कर तथा अवसंरचना के रूप में प्रदान की जाने वाली अवसंरचना सहायता में वृद्धि करना तथा उनका संवर्धन करना है ताकि उन्हें देश में मीडिया क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी स्तरों पर कार्य करने में सक्षम बनाया जा सके।

(ख) एवं (ग): दूरदर्शन द्वारा ई-निविदा प्रकिया के जरिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित करके कई अत्याधुनिक डिजिटल उपस्करों का अधिप्रापण किया गया है। वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच प्रमुख डिजिटल उपस्करों को यूएसए, यूके, इटली, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कनाडा, इजरायल, बेल्जियम, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया तथा भारतीय बोलीदाताओं से अधिप्राप्त किया गया है।

डिजिटल उपस्करों के अधिष्ठापन से कार्यक्रम निर्माण तथा पश्च कार्यक्रम निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पुराने उपस्करों के प्रतिस्थापन से व्यवस्थागत विश्वसनीयता एवं कार्यनिष्पादन में वृद्धि हुई है। डिजिटल प्रसारण प्रणालियां स्पेक्ट्रम कार्यक्षम हैं और इससे सैटेलाइट तथा स्थलीय मोड में चैनल की क्षमता में वृद्धि हुई है। डिजिटल स्थलीय प्रसारण ने स्थायी/चल अभिग्रहण उपकरणों के लिए एकल ट्रांसमीटर से विविध टीवी चैनलों के प्रसारण को संभव बनाया है।

अनुलग्नक I

सूचना और प्रसारण क्षेत्र के लिए कार्यान्वित स्कीमों के संबंध में दिनांक 26.07.2019 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 488 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वर्ष 2014 से अगस्त, 2018 के बीच कार्यान्वित प्रमख परियोजनाएं	
क्र.सं.	**परियोजनाएं**
1	39 स्टूडियो केंद्रों को पूर्णतया डिजिटल बनाने के लिए कैमरा चेन्स का अधिष्ठापन
2	19 स्थानों पर नए डिजिटल ट्रांसमीटरों की स्थापना
3	अत्याधुनिक उपस्कर मुहैया कराकर देहरादून में स्थायी स्टूडियो की स्थापना
4	सीपीसी, दिल्ली में हाई डेफिनिशन टेलीविजन (एचडीटीवी) स्टूडियो
5	सीपीसी, दिल्ली में ''डीडी किसान'' चैनल के लिए बहु-चैनल स्वचालित प्लेबैक सुविधा की स्थापना
6	ईटानगर में ''डीडी अरूण प्रभा'' चैनल के लिए स्वचालित प्लेबैक की सुविधा की स्थापना
7	दिल्ली और मुंबई में एचडीटीवी फार्मेट में बहु-कैमरा मोबाइल कार्यक्रम-निर्माण सुविधा
8	कोलकाता में मीडिया परिसंपत्ति प्रबंधन तंत्र की स्थापना
9	डीटीएच प्लेटफॉर्म का 59 से 104 टीवी चैनलों तक स्तरोन्नयन
10	6 स्थानों पर डिजिटल सैटेलाइट समाचार संग्रहण (डीएसएनजी) एककों का प्रतिस्थापन
11	चंडीगढ़, हिसार, पणजी तथा पोर्ट ब्लेयर में भू केंद्र का स्तरोन्नयन
12	समाचार मुख्यालय, दिल्ली में एकीकृत समाचार निर्माण सुविधा की स्थापना

अनुलग्नक II

सूचना और प्रसारण क्षेत्र के लिए कार्यान्वित स्कीमों के संबंध में दिनांक 26.07.2019 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 488 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

आकाशवाणी में वर्ष 2014 -18 के बीच कार्यान्वित की गई आधुनिकीकरण परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र.सं.	शुरू की गई स्कीम/परियोजनाएं	संख्या
क.	**पूर्वोत्तर विशेष पैकेज** (चरण-II)	
1.	कोलकाता (डीआरएम) में 1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर का प्रतिस्थापन	1
2.	कावारती में 1 किलोवाट मीडियम वेव का 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में स्तरोन्नयन	1
3.	पूर्वोत्तर क्षेत्र में 1 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर स्थापित करना।	8
ख.	**जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज (चरण-** II**)**	
1.	10 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटरों की स्थापना।	2
2.	100 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटरों की स्थापना।	4
ग.	**मीडियम वेव ट्रांसमीटर का प्रतिस्थापन**	
1.	300 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	6
2.	200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	10
3.	100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	11
4.	20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	6
5.	मीडियम वेव ट्रांसमीटरों का डिजिटल रूप से तैयार मीडियम वेव ट्रांसमीटरों में प्रतिस्थापन (चरम वामपंथ प्रभावित क्षेत्रों में कवरेज मुहैया कराने के लिए)	6
घ.	**शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर का प्रतिस्थापन**	
1.	500 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	1

2.	100 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर (डीआरएम) का प्रतिस्थापन	2
ड.	**एफएम नेटवर्क का विस्तार**	
1.	1 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटरों का अधिष्ठापन (अतिरिक्त चैनल)	12
2.	दूरदर्शन स्थल पर 5 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का प्रतिस्थापन (अतिरिक्त चैनल)	10
3.	20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटरों का अधिष्ठापन (अतिरिक्त चैनल-विविध भारती सेवा)	4
4.	100 वाट एफएम ट्रांसमीटरो का अधिष्ठापन	100
5.	अप्रचलित एफएम ट्रांसमीटरों की क्षमता को बदलना/स्तरोन्नयन करना	106
6.	1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर का 10 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर में स्तरोन्नयन	6
7	नए स्थल पर 1/5/10/20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर स्थापित करना	14
च	**स्टूडियो, अभिलेखागार और आरएनयू का डिजिटलीकरण**	
1	स्टूडियो का डिजिटलीकरण और नेटवर्किंग	98
2	दिल्ली में अभिलेखीय सुविधाओं में वृद्धि करना और मुंबई, चेन्नै, कोलकाता और हैदराबाद में क्षेत्रीय अभिलेखीय केन्द्रों का सृजन	5
3	क्षेत्रीय समाचार एककों का सृजन/स्वचालन	51
छ.	**कनेक्टिविटी का डिजिटलीकरण**	
1.	सी-बैण्ड आरएनटी का प्रावधान	44
2.	एनालॉग सीईएस का डिजिटल सीईएस में स्तरोन्नयन और नए सीईएस का प्रावधान	9
3.	एसटीएल का प्रावधान/प्रतिस्थापन	127

******